रेखाओं के जाल पर मानचित्र बनाया। सर्वप्रथम हिप्पार्कस ने ही वृत को 360 अंशों में विभक्त किया था।

11). पोसीडोनियस (Posidonius) – मूलतः एक भौतिक भूगोल विद् था। उन्होंने स्पेन के बन्दरगाह गेडीज के तट पर ज्वार-भाटा की खोज की थी तथा सारडीनिया द्वीप के समीप सागर को नापने का प्रयास किया। वे समुद्र विज्ञान की एक पुस्तक "The Ocean" भी लिखा।

12) इरेटास्थनीज (Eratosthenes) – ये यूनान के गणितज्ञ तथा खगोल विद् थे। उन्होंने इतिहास से पृथक अलग विषय के रूप में भूगोल को प्रतिष्ठित किया। इसके लिए सर्वप्रथम उसने ज्योग्राफी (भूगोल) का प्रयोग किया। इरेटास्थनीज ने पृथ्वी को पाँच जलवायिक कटिबंधों में विभक्त किया। जैसा कि नीचे दिखलाया गया है –

उन्होंने सूर्य की उत्तरायण और दक्षिणायन स्थितियों का वेध करके सूर्य के क्रांति वृत तल की तिर्यकता की माप की थी। इसी आधार पर पृथ्वी के परिधि की गणना भी की। इसके अलावा उन्होंने विश्व का एक मानचित्र भी बनाया था।

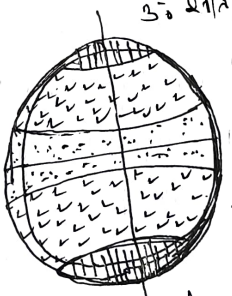

इस प्रकार यूनान के विद्वानों ने भूगोल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिये।

6) प्लेटो (Plato) - यह यूनान के शीर्षस्थ दार्शनिकों में से एक थे। वे निगमनात्मक वैचारिक पद्धति के समर्थक थे। उसने पृथ्वी को ईश्वरीय रचना माना और बताया कि पृथ्वी का आकार एक सम्पूर्ण पिण्ड होना स्वाभाविक है। इनके अनुसार पृथ्वी ईश्वरीय योजना का केन्द्र है जिसके चारों ओर आकाशीय पिण्ड चक्कर लगाते हैं।

7) अरस्तू (Aristotle) — यह प्लेटो का शिष्य था। यह यूनानी विद्वान के साथ-साथ दार्शनिक, राजनीति शास्त्री, जीवविज्ञानी और भूगोलविद् भी था। उसने पृथ्वी की आकृति तथा पृथ्वी के कटिबंधों का तथ्यपूर्ण और सोदाहरण वर्णन किया।

8) थियोफ्रेस्टस (Theophrastus) — यह अरस्तु का शिष्य था। इसने भू-तल पर वनस्पति के भौगोलिक वितरण का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने वनस्पति तथा जलवायु के अंतर्संबंधों का परीक्षण किया। इसलिए थियोफ्रेस्टस को पादप विज्ञान का पिता कहा जाता है।

9) पोलीबियस (Polybius) - इन्होंने भौतिक भूगोल के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने नदियों के अपादन और निक्षेपण कार्यों तथा उनसे उत्पन्न स्थलरूपों यथा बाढ़ के मैदान, डेल्टा आदि के निर्माण का वर्णन किया था।

10. हिप्पार्कस (Hipparchus) — अलेक्जेण्ड्रिया संग्रहालय के पुस्तकालयाध्यक्ष के साथ ही साथ प्रसिद्ध खगोलशास्त्री थे। उन्होंने एस्ट्रोलेब (Astrolabe) नामक यंत्र को बनाया। उन्होंने पहली बार बराबर दूरी पर अक्षांश एवं देशांतर

थेल्स के अनुसार नील नदी दो सहायक नदियों (1) श्वेत नील तथा नीली नदी के मेल से बना है। इनके अनुसार पृथ्वी का स्वरूप चपटी तथा गोलाकार तश्तरी के समान है। साथ ही यह ब्रह्माण्ड के बीच में स्थित है।

3) एनेक्जीमेंडर (Anaximander) - यह थेल्स का शिष्य तथा मिलेटस का निवासी था। इन्हें ब्रह्माण्ड, खगोल विज्ञान तथा मानचित्र के क्षेत्र में नामी विद्वान हुआ है। उन्होंने पृथ्वी की उत्पत्ति, आकृति तथा क्षेत्रफल से संबंधी विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। एनेक्जीमेंडर सर्वप्रथम नोमोन (धूप घड़ी) से विश्व को परिचय कराया। उनके अनुसार पृथ्वी आग्न पदार्थों के आपस में मिल-कर ठोस बनने से हुआ है। उसने सर्वप्रथम विश्व का मानचित्र बनाने का प्रयास किया।

4) हिकेटियस (Hecataeus) - हिकेटियस मिलेटस का एक राजनेता तथा अग्रगामी भूगोलवेत्ता था। उसने ज्ञात विश्व का पहली बार व्यवस्थित वर्णन किया। इसलिए इन्हें 'भूगोल का पिता' कहा जाता है। इनकी प्रसिद्ध कृति Ges-periodos कहा जाता है। उसने मिलेटस नगर का और मानचित्र बनाया। उसने पृथ्वी को गोलाकार और इसे सागर तथा सरिता से घिरा माना।

5) हेरोडोटस (Herodotus) -
यह यूनान का प्रसिद्ध भूगोलवेत्ता तथा इतिहासकार था। उसने ऐतिहासिक घटनाओं को भौगोलिक स्वरूप प्रदान किया। उसकी मान्यता थी कि समस्त इतिहास का विवेचन भौगोलिक दृष्टि से और भूगोल का विश्लेषण ऐतिहासिक दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए।

यूनानियों का भूगोल के क्षेत्र में योगदान

यूनान के यूरोप महाद्वीप के द० पू० भाग में अवस्थित एक छोटा सा पहाड़ी देश है। यह एक ओर स्थल और तीन ओर जल (एजियन सागर, भूमध्य सागर और एड्रियाटिक सागर) से घिरा है। शीतोष्ण जलवायु, ऊबड़-खाबड़ भूमि तथा पहाड़ी देश होने के कारण यहाँ 9 वीं शताब्दी ई० पू० से यहाँ विज्ञान के अनेक शाखाओं का विकास हुआ। इस काल को "यूनान का स्वर्ण युग" कहा जाता है।

भौगोलिक परिस्थितियाँ - यूनान एक छोटा सा पहाड़ी देश है जो तीन ओर से सागर से घिरा है। कटे-फटे तट, उत्तम जलवायु, चूना पत्थर वाली भूमि, शीत ऋतु में हिमाच्छादित शिखर, भूकंप पट्टी में स्थित भाग तथा धरातल पर बहती नदियाँ यूनान को विश्व के अन्य भागों से अलग बनाती है।

यही कारण है कि ईसा पूर्व 9 वीं शताब्दी में यहाँ अनेक विद्वानों ने जन्म लिया और विज्ञान के विभिन्न शाखाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिये। जिनका उल्लेख नीचे किया जा रहा है —

1) होमर (Homer) - यह यूनान का महाकवि होने का श्रेय प्राप्त है। उनकी कृतियों का प्रकाशन इलियड (Iliad) और ओडिसी (Odyssey) में किया गया है। उसके अनुसार सूर्य सागर से निकलता है और शाम होते ही सागर में डूब जाता है। चार दिशाओं से प्रवाहित होने वाली वायु का भी वर्णन किया है।

2) थेल्स (Thales) - यह मिलेटस का रहने वाला प्रथम यूनानी विचारक तथा दार्शनिक था उसने ज्यामितीय प्रमेयों को जन्म दिया। पृथ्वी की माप का श्रेय थेल्स को जाता है।